

जगत में उनकी मिटी है चिन्ता

जगत में उनकी मिटी है चिन्ता,
जो तेरे चरणों में आ गिरे हैं,
उन्हीं के जीवन हरे भरे हैं,
जो तेरे चरणों में आ गिरे हैं,
जगत में उनकी मिटी है चिन्ता.....

ना तुम को पाया किसी ने बल से,
ना तुम को पाया किसी ने छल से,
पाया है तुमको क्षमा के जल से,
जो तेरे चरणों में आ गिरे हैं,
जगत में उनकी मिटी है चिन्ता.....

ना तुम को पाया गरीब बनकर,
ना तुम को पाया अमीर बनकर,
पाया है तुमको शहीद बनकर,
जो तेरे चरणों में आ गिरे हैं,
जगत में उनकी मिटी है चिन्ता.....

ना तुमको पाया किसी ने तन से,
ना तुमको पाया किसी ने धन से,
पाया है तुमको इक सच्चे मन से,
जो तेरे चरणों में आ गिरे हैं,
जगत में उनकी मिटी है चिन्ता.....

ना तुमको पाया किसी ने गा कर,
ना तुमको पाया भेंट चढ़ा कर,
पाया है तुमको दिल से रिझाकर,
जो तेरे चरणों में आ गिरे हैं,
जगत में उनकी मिटी है चिन्ता.....

जगत में उनकी मिटी है चिन्ता,
जो तेरे चरणों में आ गिरे हैं,
उन्हीं के जीवन हरे भरे हैं,
जो तेरे चरणों में आ गिरे हैं,
माँ जो तेरे चरणों में आ गिरे हैं,
माँ जो तेरे चरणों में आ गिरे हैं,
माँ जो तेरे चरणों में आ गिरे हैं.....

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |